80 प्रतिशत डिजिटल करेंसी से रुपया हो जाएगा डॉलर के बराबर

सेंट्रल फॉर डिजिटल इकोनॉमी की कार्यशाला में विशेषज्ञों ने दी राय, पढ़े गए शोध पत्र, बताए गए करेंसी बचाने के तरीके

बेहतर तकनीक का इस्तेमाल अति आवश्यक : प्रो. लक्ष्मी

रायपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

सेंट्रल फॉर डिजिटल इकोनॉमी की कार्यशाला में विशेषज्ञ

आइआइएम रायपुर के तत्वावधान में आयोजित सेंट्रल फॉर डिजिटल इकोनॉमी पर कार्यशाला में उपस्थित लोग।

देश की अर्थव्यवस्था सुधारनी है तो डिजिटल करेंसी सबसे बड़ी जरूरत है। चुनौतियां हजार हैं, लेकिन फायदे लाखों में हैं। देश की जीडीपी और रुपये को मजबूत करने के लिए डिजिटल इकोनॉमी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। 80 प्रतिशत देश कैशलेस हो जाएगा तो रुपए को डॉलर के बराबर होने से कोई नहीं रोक सकता। ये बात आइआइएम रायपुर के तत्वावधान में आयोजित सेंट्रल फॉर डिजिटल इकोनॉमी पर अमेरिका से आए प्रोफेसर्स ने कही। दो दिवसीय कार्यशाला के समापन पर अप्पलाचियन स्टेट यूनिवर्सिटी, अमेरिका की प्रोफेसर लक्ष्मी अय्यर टीचिंग एंड रिसर्च के लिए एनालिटिक्स रिसोर्सेज पर एनालिटिक्स टूल और सॉफ्टवेयर को बताया। उन्होंने कहा कि डिजिटल इकोनॉमी की कल्पना बिना सॉफ्टवेयर और तकनीक के नहीं की जा सकती। इसके लिए हमें बेहतर तकनीक का इस्तेमाल करना सबसे ज्यादा जरूरी है।"

वहीं दूसरे सत्र में बार्कलेज के उपाध्यक्ष सत्य शंकर महापात्रा 'बैंकिंग री-इमेजिन' विषय पर बात की। उन्होंने कहा कि मूल रूप से समकालीन बैंकिंग तकनीकों के इर्द-गिर्द घूमती रही। बैंकरों के बिना बैंकिंग, बिचौलियों के बिना भुगतान, ब्रांड्स के बिना पसंद, गोपनीयता के बिना सुरक्षा आदि ने बैंकिंग और वित्तीय सेवा क्षेत्र को बताया। उन्होंने कहा कि इन चीजों के बगैर कुछ नहीं किया जा सकता। वहीं ब्लॉक-चेन तकनीक के फायदों पर जोर दिया और बताया कि इसका उपयोग बैंकिंग प्रणाली में सुरक्षा और दक्षता बढ़ाने के लिए केस स्टडीज करना जरूरी है। साथ ही बैंकिंग क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों, साइबर जोखिम प्रबंधन का महत्व, ईएसजी निवेश को विस्तार से बताया।

ऐसे होगी अर्थव्यवस्था मजबूत

- किसानों को ई-बैंकिंग से जोड़ने के लिए बने योजना।
- युवाओं को डिजिटल करेंसी को प्रमोट करने के लिए दें जॉब।
- प्राथमिक शाला से बच्चों को बताया जाए डिजिटल इकोनॉमी।
- इंटरनेट कनेक्टिविटी हो मजबूत।
- इन चुनौतियों को करना होगा दूर।
- ऑनलाइन फ्रॉड को करना होगा दूर।
- फ्रॉड होने पर तीस दिनों के भीतर उपभोक्ता का बैंक पैसे करे वापस।
- सभी बैंकों का सिक्योरिटी सिस्टम हो मजबूत।

Naiduniya, 10th Feb 2019, P.7